संस्थापक दिवस 1

37वाँ दीक्षान्त समारोह 1

रिसर्च फेयर 2019 2

70 वां गणतंत्र समारोह 2

हीरक जयंती व्याख्यान 2

युवा संसद 2019 2

कला को बचाने के लिए कलाकारों को जीवित रखना होगा 3

संगीतात्मक शैलियों में तकनीकी पक्ष 3

संकाय समाचार 4

एन. सी. सी. 8

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी)

दयालबाग़, आगरा (उ. प्र.)

डी.ई.आई. समाचार

जनवरी–मार्च 2019

अंक 15

संस्थापक दिवस

दयालबाग़ शिक्षण संस्थान ने प्रत्येक वर्ष की भांति परम पूज्य हुज़ूर लाल साहब की याद में 31 जनवरी, 2019 को संस्थापक दिवस समारोह मनाया। उत्सव में छात्रों और शिक्षकों सभी ने पूर्ण निष्ठा भाव से भागीदारी की। छात्रों द्वारा संचालित विज्ञान परियोजनाओं, नुक्कड़ नाटक और फूड स्टॉल ने उन्हें नवाचार और रचनात्मकता के लिये एक मंच प्रदान किया। छात्रों द्वारा निर्मित उत्पादनों से छात्रों ने कार्य प्रणाली, उत्पादनों की गुणवत्ता और उनकी प्रस्तुति व प्रदर्शन के गुर सीखे। स्वास्थ्य और हरित स्वच्छता उत्पाद, संरक्षित खाद्य पदार्थ, अचार, जैम, पास्ता, जड़ी–बूटियों, वस्त्र आदि के स्टॉल लगाये गये थे।

डेयरी, क्रेच, जुगाड़ और अन्य प्रयोगशालाओं सहित प्रत्येक संकाय अवलोकन के लिये खुला था और सम्बन्धित कार्यक्रमों, पाठ्यक्रमों, उपक्रमों, प्रकाशनों और नवाचारों के प्रदर्शन में लगा था। पूरे दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रम ने संगीत प्रेमियों और कलाकारों का ध्यान आकर्षित किया।

पिछले वर्ष की तरह, एनसीसी ने भी अपना स्टॉल लगाया, मुख्य अतिथि आगरा ग्रुप के डिप्टी कमांडर, कर्नल वी. एस. सिकरवार ने शिरकत की वह छात्रों द्वारा बनाये गये मॉडलों को देखकर प्रभावित हुए।

37वाँ दीक्षान्त समारोह

दिनांक 11 जनवरी, 2019 को दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट के दीक्षान्त सभागार में डी.ई.आई. का 37वाँ दीक्षान्त समारोह अत्यन्त गौरवमय ढंग से सम्पन्न हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री अमरजीत सिन्हा, आई.ए.एस. सचिव, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली थे। संस्थान के निदेशक प्रो. प्रेम. कुमार कालड़ा ने समारोह की अध्यक्षता की। इस समारोह में 3823 छात्र–छात्राओं को वर्ष 2018 में विभिन्न परीक्षाओं में सफलता के लिए उपाधियाँ प्रदान की गयीं। एमफिल–52, स्नातकोत्तर–494, स्नातक–1395, (द्विवर्षीय), स्नातक ऑनर्स–530, डायरेक्टर–127, सर्टिफिकेट–(हाईस्कूल–216, इण्टरमीडिएट–287) डिप्लोमा–673, 89 छात्र–छात्राओं को संस्थान के अध्यक्ष ने डायरेक्टर मैडल प्रदान किये। 2 छात्रों को प्रेसीडेन्ट मेडल दिया गया। 59 शोधार्थियों को विभिन्न विषयों में पी.एच.डी. उपाधि से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि श्री अमरजीत सिन्हा ने अपने दीक्षान्त उद्बोधन में ग्रामीण विकास, रोजगारोन्मुख शिक्षा, कौशल विकास एवं औपचारिक शिक्षा प्रणाली में दयालबाग़ शिक्षण संस्थान के महत्त्वपूर्ण योगदान की सराहना की। श्री अमरजीत सिन्हा ने विश्वास व्यक्त किया कि दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी) के छात्र–

छात्राओं द्वारा ग्रहण की गई मूल्य आधारित उच्च शैक्षणिक योग्यता, प्रशिक्षण एवं पवित्र संस्कार उनके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ायेंगे तथा वे देश की प्रगति में सफल योगदान देने में पूर्णतः सक्षम सिद्ध होंगे। संस्थान के निदेशक प्रो. प्रेम कुमार कालड़ा ने संस्थान की विस्तृत प्रगति आख्या प्रस्तुत की। प्रो. कालड़ा ने पिछले कई दशकों के डी.ई.आई. के अनवरत प्रगति एवं विकास में सहायक विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम एवं कार्यक्रमों का विस्तृत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि डी.ई.आई. की मूल्य आधारित शिक्षा पद्धति एक सम्पूर्ण मानव के विकास एवं सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए अपने कर्त्तव्यों को सच्चाई, ईमानदारी तथा व्यावहारिक तरीके से निभाने की प्रेरणा प्रदान करती है। डी.ई.आई. का वर्ष 2018 का "डिस्टिंगुइस्ट

एल्युमनाई अवार्ड'' प्रो. आनन्द श्रीवास्तव को प्रदान किया गया।

विगत सत्र में सभी स्नातकीय स्तर परीक्षाओं में सर्वोत्तम स्थान प्राप्त करने वाली सुश्री चन्द्रकान्ता तथा सभी स्नोतकोत्तरीय परीक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली सुश्री इति गोयल को प्रेसीडेन्ट मेडल प्रदान किया गया। सुश्री डी. गुरुप्रिया को संस्थान के ''फाउन्डर्स मेडल'' से सुशोभित किया गया।

समारोह के अंत में प्रो. प्रेम कुमार कालड़ा ने मुख्य अतिथि एवं समस्त अतिथियों, कुलसचिव, कोषाध्यक्ष, शिक्षक समुदाय, विद्यार्थियों, आयोजकों एवं कार्यकर्त्ताओं का दीक्षान्त समारोह के सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

रिसर्च फेयर 2019

संस्थान ने 19 जनवरी को अनुसंधान को प्रोत्साहन देने के लिये रिसर्च फेयर 2019 का आयोजन किया। शोधार्थियों के साथ–साथ शिक्षकों, कर्मचारियों की शोध और रचनात्मक गतिविधियों का एक उत्सव मनाया गया, जिसे शोध सम्मेलन कहना श्रेयस्कर होगा। इस शोध उत्सव में विगत 5 वर्षों के मेजर प्रायोजित कार्यक्रमों और संकायगत पुरस्कारों को भी प्रदर्शित किया गया। मेले के पहले सत्र में संस्थान के 393 अनुसंधान और नौ अनुसंधान प्रभारों ने अपने शोध कार्य सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक प्रस्तुत एवं प्रदर्शित किये।

आई. आई. टी. दिल्ली के प्रो. पी.के. कालड़ा ने वर्तमान अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य में अनुसंधान की गुणवत्ता और आवश्यकता पर प्रकाश डाला। प्रो. कर्मेशु ने शोधार्थियों को शोधपत्र प्रकाशन के लिये अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत शोध विधियों के बारे में निर्देशित किया और प्रो. आजम ने शोध संबंधी विभिन्न समस्याओं के व्यावहारिक समाधान सुझाये। संस्थान के अधिकारियों ने भी पोस्टर सत्र में प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और उन्हें प्रोत्साहित किया। प्रो. एस.के. शर्मा ने दोपहर के भोजन के बाद के सत्र में विशेषज्ञों का स्वागत किया और प्रो. वी.के. गंगल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रो. जे.के. वर्मा और प्रो. जी.एस. त्यागी ने अतिथियों, विशेषज्ञों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

70 वां गणतंत्र समारोह

गणतंत्र दिवस का आयोजन प्रत्येक वर्ष धूमधाम से होता है। इस बार इसकी शोभा आँखों को चमत्कृत करने वाली और उत्साह को द्विगुणित करने वाली थी। प्रत्येक वर्ष की भांति सभी संकायों ने परेड में हिस्सा लिया। यह परेड और भी अनोखी तब हो गई जब 'सुपरमैन' स्कीम के तहत पंजीकृत 3 माह से 3 साल तक के बच्चों ने भी अपने अभिभावकों एवं संरक्षकों के साथ परेड में हिस्सा लिया। परम पूज्य हुज़ूर की उपस्थिति का आशीर्वाद सभी को प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि कमिश्नर आगरा श्री अनिल कुमार ने दयालबाग़ की मूल्य आधारित शिक्षा की प्रशंसा की। परेड में छात्राओं में प्रेमविद्यालय एवं छात्रों में टेक्नीकल कॉलेज प्रथम रहे। संस्थान के निदेशक प्रो. पी.के कालड़ा ने संस्थान की नवीनतम उपलब्धियों को सर्वसम्मुख प्रस्तुत किया और उत्साहवर्धन किया। कुलसचिव प्रो. आनंद मोहन, कोषाध्यक्ष–श्रीमती स्नेह बिजलानी, परीक्षा नियंत्रक श्री. धीरज कुमार के साथ समस्त संकाय प्रमुख, विभागाध्यक्ष अध्यापकगण एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कविता रायजादा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. निशीथ गौड़ ने किया।

हीरक जयंती व्याख्यान

प्रत्येक वर्ष की भांति दिनांक 1 फरवरी 2019 को हीरक जयंती व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान प्रो. विनोद के. पाल (सदस्य–पोषण एवं मानव संसाधन विभाग, नीति आयोग) द्वारा मानसिक स्वास्थ्य के संबध में दिया गया। आधुनिक दौर में मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य का हनन हो रहा है, ऐसे में समुचित पोषण और योगादि के द्वारा हम तनावयुक्त जीवन शैली को किस प्रकार सहज बना सकते हैं ऐसे विचार उन्होंने प्रस्तुत किए। परम गुरू हुज़ूर सत्संगी साहब की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफलता प्रदान की। संस्थान के निदेशक, कुलसचिव, कोषाध्यक्ष, परीक्षा नियंत्रक के साथ समस्त संकाय प्रमुख, विभागाध्यक्ष एवं समस्त अध्यापकगण व शोधार्थी मूल्यवान व्याख्यान से लाभान्वित हुए।

युवा संसद 2019

अंतरसंकायी युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन 23 फरवरी 2019 को किया गया, जिसमें प्रथम स्थान पर वाणिज्य संकाय, द्वितीय स्थान पर समाज विज्ञान संकाय एवं तृतीय स्थान पर अभियांत्रिकी संकाय रहा। एकल पुरस्कार–प्रथम–डिंपल मानवानी–वाणिज्य संकाय, द्वितीय–अभिषेक उपाध्याय–वाणिज्य संकाय, तृतीय–शिवानी–शिक्षा संकाय, चतुर्थ–रिया अग्रवाल–समाज विज्ञान संकाय, पंचम–अक्षिता शर्मा–अभियांत्रिकी, षष्ठ–अरविन्द सवरन–समाज विज्ञान संकाय को प्राप्त हुए।

निर्णायकों में प्रो. अरुणोदय वाजपेयी विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान, आगरा कॉलेज, आगरा एवं प्रो. विन्ध्याचल यादव वनस्पति विभाग, गवर्नमेन्ट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, फतेहाबाद, आगरा रहे। समन्वयक युवा संसद प्रतियोगिता डॉ. सोना आहूजा ने प्रतियोगिता के नियमों से परिचित कराया।

कला को बचाने के लिए कलाकारों को जीवित रखना होगा

दयालबाग़ शिक्षण संस्थान में 'पर्यटन : संस्कृति और कला से सम्बन्ध' विषय पर 17से 19 फरवरी 2019 तक तीन दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई जिसका उद्‌घाटन हावर्ड विश्वविद्यालय, वाशिंगटन के प्रो. मोहम्मद अशरफ अजीज़ ने किया उन्होंने कहा कि हमें अपनी संस्कृति को प्रस्तुत करना होगा।

विशिष्ट अतिथि आई.ए.एस. डॉ. हरिओम ने कहा कि पर्यटन के व्यावसायिक पक्ष की ही अधिक चर्चा होती है, पर्यटन जिन्दगी का हिस्सा तथा जीवन का विस्तार है। 'शायर गौहर रजा, कवि मंगलेश डबराल एवं आई.आई.टी.टी.एम ग्वालियर के प्रो. संदीप कुलश्रेष्ठ ने अपने विचार रखे। पद्‌मश्री मोहन स्वरूप भाटिया ने कहा कि ब्रज क्षेत्र धार्मिक के साथ सांस्कृतिक और साहित्यिक स्थल है। इसका विकास किया जाना आवश्यक है। अध्यक्षता इग्नू नई दिल्ली के प्रो. जवरीमल्ल पारेख ने की।

दूसरे दिन खेल मंत्रालय के अपर सचिव श्री पंकज राग ने सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हुए पर्यटन के नये आयाम तलाश करने पर बल दिया।

इस सत्र की अध्यक्षता रंग कर्मी जहूर आलम ने की। डॉ. डी. एस. यादव ने कहा कि आगरा और इसके आस–पास के क्षेत्रों में ग्रामीण और इको टूरिज़्म को विकसित करने की आवश्यकता है।

सिनेमेटोग्राफर अपल ने सांस्कृतिक विरासत में नदियों के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि सभ्यता एवं संस्कृति के विकास में नदियों के बिना हम एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकते। केरल में पर्यटन अधिकार संगठन के श्री आर. श्रीकांतन ने पर्यटन के नये विकल्प तलाशने और उनके विकास पर बल दिया।

द्वितीय सत्र में यात्रा साहित्य और पर्यटन पर गोष्ठी की

अध्यक्षता प्रो. जितेन्द्र श्रीवास्तव ने की। मुख्य वक्ता आगरा कॉलेज के डॉ. प्रियम अंकित थे। शांति निकेतन विश्व विद्यालय की डॉ. श्रुति कुमुद ने यात्रा साहित्य पर मुकम्मल वार्त्ता प्रस्तुत की। डॉ. मुदिता तिवारी ने कई महत्त्वपूर्ण यात्रा वृत्तांतों पर प्रकाश डाला। तिब्बतन विश्वविद्यालय की डॉ. ज्योति सिंह ने बौद्ध साहित्य में लिखे यात्रा वृतांत पर प्रकाश डाला।सांध्यकालीन सत्र के सांस्कृतिक कार्यक्रम में पहली प्रस्तुति गजेन्द्र पाण्डेय ने दी।

संगोष्ठी के समापन दिवस के पहले सत्र में वक्ताओं ने 'पर्यटन और स्त्री' विषय पर विचार व्यक्त किये। सत्र की अध्यक्षता केन्द्रीय हिन्दी संस्थान की प्रो. ज्योत्सना रघुवंशी ने की। डॉ. अवंतिका शुक्ल ,डॉ. उमा गुप्ता ने भी विचार प्रस्तुत किए।तीन साल में एक लाख किलोमीटर की यात्रा पूरी करने वाली कायनात काजी ने अपने अनुभव साझा किये। दूसरे सत्र में 'आगरा के आस–पास ग्रामीण पर्यटन के विकास की सम्भावनाएँ एवं चुनौतियां' विषय पर वक्ताओं ने विचार रखे विशेष सचिव, पर्यटन विभाग, यू. पी. के एन. सिंह, प्रो. एम. के. अग्रवाल, प्रो. ओम प्रकाश बुधौलिया, टूरिज़्मगिल्ड के पूर्व अध्यक्ष अरुण डंग, राजीव नारायण ने अपने–अपने विचार रखे। डी.ई.आई. कला संकाय के अध्यक्ष प्रो. जे. के. वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम समन्वय डॉ. प्रेमशंकर और डॉ. बृजराज सिंह ने किया।

संगीतात्मक शैलियों में तकनीकी पक्ष

संस्थान में संगीत विभाग के द्वारा दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के पहले दिन उद्‌घाटन सत्र में डी.ई.आई. संगीत विभागाध्यक्ष प्रो. एस. के. सत्संगी ने 'संगीतात्मक शैलियों में तकनीकी पक्ष' विषय के बारे में छात्र–छात्राओं को बताया। बीएचयू के संगीत विभाग के प्रमुख प्रो. राजेश शाह ने सितार वादन प्रस्तुत कर वाद्य की बनावट एवं सितार के तकनीकी पक्षों का ज्ञान दिया, आपके साथ तबले पर संगत प्रो. नीलू शर्मा ने की। अंतिम सत्र में डॉ. रामशंकर ने शास्त्रीय गायन में समसामयिक बदलावों के बारे में बताया। संगोष्ठी में बीएचयू के तबला विभागाध्यक्ष प्रो. प्रवीण उद्धव, डी.ई.आई. के प्रो. रवि भटनागर, डॉ. गौतम तिवारी, डॉ. नीतू गुप्ता, श्रीमती रीमा जौहरी, पं. गिरधारी लाल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

संचालन प्रो. रश्मि श्रीवास्तव ने व धन्यवाद संगोष्ठी की सह–संयोजक प्रो. सुधा सहगल ने किया।

संकाय समाचार

कला संकाय

● डॉ. निशीथ गौड़ को 21 फरवरी, 2019 को यू.पी. टूरिज़्म गिल्ड ऑफ आगरा एवं स्फीहा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी आगरा बियोंड ताज में ''ललित कलाओं का अद्भुत संगम–ताज महोत्सव'' पर व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया। जिसमें संस्थान के बी. वॉक टूरिज़्म के विद्यार्थियों ने भी प्रतिभागिता की।

● कला संकाय में 25 फरवरी को 'असमंजस बाबू' नामक नाटक का मंचन किया गया। फिल्मकार सत्यजीत रे की कहानी को श्री अख्तर अली साहब द्वारा किए गए रूपांतरण में अभिनेता राकेश यादव द्वारा एकल अभिनय से प्रस्तुत किया गया। श्री अनिल रंजन के निर्देशन में मंचित इस नाटक को सभी ने सराहा।

● कला संकाय के हिन्दी विभाग में 21 फरवरी को 'जेंडर सेंसिटाईजेशन एवं स्त्री अध्ययन के सामाजिक आयाम' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय वर्धा से डॉ. अवंतिका शुक्ला द्वारा अतिथि व्याख्यान दिया गया।

● रिसर्च डिवीजन, क्लासिकल स्टडीज़, कला संकाय, डी.ई.आई. द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान के अन्तर्गत प्रोफेसर मोहम्मद अशरफ अजीज़, (हावर्ड विश्वविद्यालय) ने भारतीय डायस्पोरा और हिन्दुस्तानी फिल्म संगीत पर अपने विचार व्यक्त किये। डॉ. प्रियम अंकित, आगरा कॉलेज, आगरा ने भारतीय डायस्पोरा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसकी जड़ें तो भारतीय हैं किन्तु जिस आबोहवा में वे सांस लेते हैं वे भारतीय नहीं होती इसलिए एक तरह का नॉस्टेल्जिया हमें भारतीय डायस्पोरा में देखने को मिलता है। श्री. आर. के. पाल, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त आगरा ने प्रो. अशरफ अजीज़ की पुस्तक ''लाइट ऑफ द यूनिवर्स'' की समीक्षा की। मशहूर कवि श्री असद जैदी ने कहा आज आवश्यकता है कि हम अपनी संस्कृति और परम्पराओं से जुड़ें। अध्यक्ष प्रोफेसर जवरीमल्ल पारख जी ने कहा कि भारतीय फिल्म संगीत में इतनी शक्ति है कि वह सभी को जोड़ सकता है। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. प्रेमशंकर एवं संयोजक डॉ. निशीथ गौड़ थीं। इस अवसर पर प्रो. जे. के. वर्मा, प्रो. अगम कुलश्रेष्ठ, डॉ. अनीता, डॉ. अभिमन्यु, डॉ. गौतम तिवारी, डॉ. सोनिका, डॉ. शशि, डॉ. प्रियंका आर्या एवं डॉ. नन्दिनी रघुवंशी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. निशीथ गौड़ एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. लौलीन ने किया।

● विगत 25.2.19 से 25.3.2019 तक 'टेक्नोलॉजी असाइंड लैंग्वेज लर्निंग' प्रोजेक्ट के अन्तर्गत ,संस्कृत संभाषण सर्टिफिकेट–कोर्स का आयोजन किया गया, जिसमें 80 विद्यार्थियों ने आई सी एन सी टॉल में सॉफ्टवेयर के माध्यम से संस्कृत भाषा को रुचिकर तरीके से सीखने का सफल प्रयास किया। इस कोर्स के तहत आर ई आई के 30 छात्र तथा संस्कृत विभाग के 52 छात्राओं ने सहर्ष भाग लिया इसका प्रमुख उद्देश्य भाषा की परिशुद्धता, स्पष्टता एवं संस्कृत भाषा की महत्ता को आधुनिक तकनीकी के द्वारा अवगत कराना था।

अभियांत्रिकी संकाय

छात्र उपलब्धि–दयालबाग़ के आठ अभियांत्रिकी विद्यार्थियों ने इलेक्ट्रिक सोलर कार बनाकर, इलेक्ट्रिक सोलर व्हिकल चैंपियनशिप की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया जो चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में 25 मार्च से 31 मार्च तक आयोजित की गई थी। इस कार में कम लागत में ड्राइवर ड्रोजिनेस डिटेक्शन सिस्टम, ड्राइवर हेल्थकेयर मॉनिटरिंग सिस्टम, रियर पार्क व्यू एसिस्ट जैसे आधुनिक आविष्कार किये गये। विद्यार्थियों ने बताया कि ड्राइवर को नींद लगते ही कार में अलार्म बज जायेगा, कार में ड्राइवर के हार्ट रेट व ईसीजी का डाटा भी स्टोर कर सकते हैं। इस सौर ऊर्जा से चलने वाली सिंगल सिटर कार का निर्माण प्रोफेसर डी. भगवान दास, प्रोफेसर ए.के. सक्सेना, व श्री एन. एल. मेहतो के मार्गदर्शन में हुआ। विद्यार्थी टीम में पुनर्वसु शर्मा (टीम कैप्टन), निमिष राजौरिया (वाइस कैप्टन), भारत

राज,प्रेम रेड्डी, अंश अंग्रवाल, उदय विनैक, मुरीद सत्संगी और दीपांकर गौतम थे।

शिक्षकोपलब्धि–प्रो. डी. के. चतुर्वेदी का शोधपत्र ''फुटवियर उद्योग में 3 डी प्रिंटिंग सह लेजर कटिंग और एनग्रेविंग'' शीर्षक पर जर्नल ऑफ इंडियन लेदर टेक्नोलॉजिस्ट्स एसोसिएशन जेआईएलटी के फरवरी 2019 के अंक में प्रकाशित हुआ। उन्होंने 15 फरवरी 2019 को माधव इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, ग्वालियर में 1 सप्ताह के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम मैटलैब और इसके इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों पर विशेषज्ञों से बात की साथ की 26 फरवरी 2019 को माधव इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, ग्वालियर में बायोमेडिकल सिस्टम पर 2 सप्ताह के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में व्याख्यान दिया गया। प्रो. चतुर्वेदी कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग, राजा बलवंत सिंह इंजीनियरिंग और तकनीकी परिसर, बिचपुरी आगरा, भारत में 29–30 मार्च, 2019 से डेटा और सूचना विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समिति में हैं।

● दिनांक 6 मार्च, 2019 को प्रो. डी. के. चतुर्वेदी तथा श्री विशाल पैंगोरिया अभियांत्रिकी संकाय को 'कन्टीन्युअस गैस फायर्ड अनीलिंग फरनेस' नामक आविष्कार के लिए 4 जुलाई 2012 से बीस वर्ष की अवधि के लिए पेटेंट (सं. 308621) अनुदत्त किया गया है।

● श्री अतुल सूरी, श्री रजत सेतिया, प्रो. के हंसराज ने राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान, कुरुक्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस एनफेस्ट 18–22 फरवरी 2019 में 'प्री एण्ड पोस्ट अनीलिंग इफेक्ट ऑन डिस्सिमिलर फ्रिक्शन स्टियर वैल्डिंग ऑफ Al5083/6063 यूजिंग न्यू पैडल शेप पिन टूल' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। उपरोक्त पेपर इण्टरनेशनल जरनल ऑफ फ़िज़िक्स के लिए भी स्वीकृत हुआ।

● प्रो. शांति स्वरूप शर्मा व श्री धीरज कुमार, अभियांत्रिकी संकाय ने एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ में 11–15 मार्च, 2019 में 'कैड यूजिंग सॉलिड वर्क' विषय पर लघु अवधि कोर्स में भाग लिया।

समाज विज्ञान

● समाजशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान विभाग में एस पी एस एस साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड बंगलुरु व दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ने संयुक्त रूप से दिनांक 22 व 23 फरवरी 2019 को 2 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 'एडवांस्ड फीचर्स ऑफ एस पी एस एस' का आयोजन किया।

● समाजशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान विभाग में द मेथमेटिक्स कॉन्सोरटियम व दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ने संयुक्त रूप से दिनांक 17 से 19 मार्च तथा 29 व 30 मार्च 2019 को 5 दिवसीय कार्यशाला 'मॉडल बिल्डिंग इन सोशल साइंसेज़' का आयोजन किया। इस कार्यशाला में सहभागियों को विशेषज्ञों द्वारा अनुसंधान हेतु विभिन्न प्रकार के मॉडलों को बनाकर दिखाया व समझाया गया।

● अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 7 मार्च 2019 को 'भारत में बढ़ते कृषि तनाव' विषय पर डॉ॰ श्याम सुन्दर चौहान द्वारा अतिथि व्याख्यान आयोजित कराया गया।15 फरवरी 2019 को 'इंट्रोडक्शन टू इकोनोमिक्स' विषय पर प्रोफेसर अशोक मित्तल एएमयू द्वारा अतिथि व्याख्यान आयोजित कराया गया।29 मार्च 2019 को 'डमी वेरिऐवलः डिस्ट्रीब्यूशन लो मॉडल' विषय पर प्रो. अशोक मित्तल ए एम यू द्वारा अतिथि व्याख्यान आयोजित कराया गया। 30 मार्च 2019 को 'वाटर क्रेडिट सिस्टम फोर एग्रीकल्चर डायवरसीफिकेशन एण्ड सस्टेनेबिलिटी' विषय पर प्रो. एस

पी सिंह आई आई टी रुड़की के द्वारा अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया।

● समाज विज्ञान संकाय द्वारा 'करिकुलम रिव्यू एण्ड गाइडेन्स विषय पर 8 से 9 मार्च तक दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला मुख्य रूप से संज्ञानात्मक विज्ञान के पाठ्यक्रम को केन्द्र में रखकर आयोजित की गई। कार्यशाला में संस्थान के अध्यापकगणों के समक्ष प्रो. आदित्यमूर्ति तंत्रिका विज्ञान केन्द्र आई.आई.एस. बंगलुरु, प्रो रमेश मिश्रा हैदराबाद विश्वविद्यालय, प्रो नारायन श्री निवासन इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रो आनंद प्रकाश दिल्ली विश्वविद्यालय, ने अपने बहुउपयोगी मन्तव्य प्रस्तुत किए।

● प्रो.स्वामी प्रकाश श्रीवास्तव को शोध पत्र इम्पेक्ट ऑफ एन पी ए आन इण्डियन इकोनोमी– इश्यूज़, अपोरच्युनिटीज़ एण्ड चेलेन्जेज़, 101 सेन्टीनरी सेकण्ड एनुअल कान्फ्रेंस ऑफ इण्डियन इकोनोमिक एसोसिएसन की प्रोसीडिंग्स में प्रकाशित हुआ। यह कान्फ्रेंस वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी वेल्लोर ने दिनांक 27 से 29 दिसम्बर 2018 को आयोजित किया। प्रोफेसर श्रीवास्तव का शोध पत्र इण्डियन इकोनोमिक एसोसिएसन की ओर से बैंकिग सेक्टर– नान परफोर्मिंग असेट्स एण्ड फाइनेंशियल इंक्लूज़न नामक पुस्तक आई.एस.बी.एन. 978.93.88147.08.8 –शाडिल्य प्रकाशन नई दिल्ली में प्रकाशित हुआ है। यह पुस्तक शैलेश कुमार द्वारा सम्पादित की गयी है। प्रो. श्रीवास्तव को मानविकी और समाजविज्ञान के क्षेत्र में योगदान हेतु वीनस इण्टरनेशनल फाउण्डेशन चेन्नई द्वारा द्वितीय हायर एजुकेशन लीडरशिप मीट (हेला 2019) में लीडरशिप अवार्ड दिनांक 5 जनवरी 2019 भी प्रदान किया गया।

शिक्षा संकाय

● दिनांक 23.02.2019 को शिक्षा संकाय तथा स्थिरता अनुसंधान प्रभाग दयालबाग शिक्षण संस्थान द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन अन्तर्राष्ट्रीय सभागार डी.ई.आई में किया गया। प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. किरण बांगा छोकर (सी ई ई, अहमदाबाद) ने अपने वक्तव्य में शिक्षा द्वारा सतत् विकास पर बल दिया।

संकाय प्रमुख प्रो. अर्चना कपूर, द्वारा मुख्य अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम संयोजक श्री बजरंग भूषण द्वारा कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया। विशेषज्ञ प्रो. कविता शर्मा व डॉ. सीमा शुक्ला ओझा (एनसीईआरटी, नई दिल्ली), डॉ. दीप्ति प्रिया मेहरोत्रा, डॉ. ललित कुमार सिंह (लखनऊ विश्वविद्यालय), प्रो. सी. एम. मार्कन, प्रो.के सी वशिष्ठ, प्रो. नन्दिता सत्संगी, डॉ. सुमिता श्रीवास्तव व डॉ. आशिमा श्रीवास्तव ने अपना निर्देशन ज्ञापित किया। संस्था के निदेशक प्रो. पी. के. कालड़ा ने कहा कि सतत् उचित आदतों को जीवन शैली का अभिन्न अंग बनाया जाना चाहिए। द्वितीय सत्र में जीवन की गुणवत्ता के संकेतकों को स्थानीय संदर्भ में पुनर्परिभाषित किया गया व प्रारम्भिक कक्षाओं में सतत् विकास के लक्ष्यों पर चर्चा हुई। समापन सत्र की अध्यक्षता संस्थान के कुलसचिव प्रो. आनन्द मोहन ने की और प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र देकर प्रोत्साहित किया। कार्यशाला में विभिन्न विद्यालयों से प्रतिभागियों ने सहभागिता की । कार्यशाला में डॉ. अंजना वर्मा, डॉ. श्वेता अग्रवाल, श्रीमती ज्योतिका खरबंदा, डॉ. पारुल खन्ना, श्रीमती प्रतिमा सिंह, डॉ. सनिल, डॉ. सौरभ मणि ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यशाला का संचालन डॉ. सोना दीक्षित ने किया, धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर एन.पी.एस. चंदेल ने किया।

● अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार हॉल परिसर में शिक्षा संकाय द्वारा साक्षात्कार–'ए प्लेसमेण्ट पर्सपेक्टिव' विषय पर 26से 27 मार्च तक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें प्रो.साहब दास, सुश्री पूनम प्रकाश ने क्रमशः प्लेसमेंट सेल एवं रिज्यूमे निर्माण के संबंध में महत्त्वपूर्ण तथ्य साझा किए। जिसमें आगरा के विभिन्न प्रतिष्ठित महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने भी अपने महत्त्वपूर्ण विचार रखे। साक्षात्कार से लेकर एक अच्छा अध्यापक कैसा हो जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई संकाय प्रमुख के साथ प्रो.के सी वशिष्ठ, प्रो. नन्दिता सत्संगी डॉ. सोना दीक्षित आदि ने कार्यशाला के सफल संचालन में सहयोग दिया।

वाणिज्य संकाय

राष्ट्रीय संगोष्ठी संदृश्य 2020–संस्थान के वाणिज्य संकाय द्वारा दिनांक 23 जनवरी को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'इंडिया विजन 2020 : इश्यूज़, चैलेंजेज़, अर्पोच्युनिटीज़ एण्ड प्रोसेस' था। इस संगोष्ठी के अध्यक्ष प्रो. एल.एन. कोली तथा समन्वयक डॉ. अनीशा सत्संगी थे। संगोष्ठी का शुभारम्भ संस्थान के निदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. पी. के कालड़ा ने किया। विभिन्न विश्वविद्यालयों के 80 प्रतिभागियों ने संगोष्ठी में सहभागिता की।

● प्रो. एल.एन. कोली ने 24–25 फरवरी को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में वक्तव्य प्रस्तुत किया।

● प्रो. स्वामी प्रसाद सक्सेना तथा अनुज कुमार को शोध पत्र –'इकोनॉमिक एनालिसिस ऑफ क्लाइमेट चेंज इम्पैक्ट, अडेप्शन एण्ड मिटिगेशन ऑन पटेटो फार्मिंग इन इण्डिया विद स्पेशल रिफ्रेंस टू आगरा डिस्ट्रिक्ट' का प्रकाशन अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल –इण्डियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एण्ड डवलपमेण्ट (आई.एस.एस.एन : 2320–9836 वॉल्यूम –7, मार्च 2019) में प्रकाशित हुआ।

विज्ञान संकाय

संस्थान के विज्ञान संकाय के वनस्पति विभाग द्वारा दो दिवसीय (28–29 मार्च) राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसका विषय "बायो प्रोस्पैक्टिव एण्ड बायोएक्टिव कम्पाउण्ड फ्रॉम माइक्रोब्स एण्ड प्लांट्स" था। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. एस. के. सोनी एवं डॉ. राजीव रंजन ने यह आयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. जे. एन. श्रीवास्तव की अध्यक्षता में किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जेएनयू के पूर्व कुलपति प्रो. सुधीर कुमार सपोटी रहे। दो दिवसीय

कार्यक्रम में छह अतिथि व्याख्यान दिए गए एवं 41 शोध पत्र पढ़े गये। कार्यक्रम में पांच तकनीकी सत्र थे जिनकी अध्यक्षता प्रो. अनिल कुमार, प्रो. पी. के दन्तु, प्रो. जी. पी. सत्संगी, डॉ. शर्मिता गुप्ता, डॉ. सुषमा मिश्रा, एवं डॉ. अखिलेश कुमार ने की। डॉ. अकबर अली, डॉ. संजय यादव एवं डॉ. ममता की कार्यक्रम में अहम भूमिका रही।

प्रेम विद्यालय

● हिन्दुस्तान कन्या धन योजना के तहत हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता में शीर्षक 'मेरा हिन्दुस्तान मेरा शहर' विषय पर सीनियर वर्ग में कु. पारुल सत्संगी को प्रथम पुरस्कार एवं 9999/– रु. की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

● 16.3.19 राष्ट्रीय प्रधानमंत्री योजना के अन्तर्गत फोल्डस्कोप्स वर्कशॉप तृतीय का आयोजन न्यू मॉडल स्कूल नई दिल्ली ने किया। राजाबरारी, प्रेम विद्यालय, आर.ई. आई. के लगभग 80 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। विद्यार्थियों के रचनात्मक, ज्ञानात्मक एवं क्रियात्मक कौशलों के विकास हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं खेलकूद कराए गए, राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र एवं वॉर मेमोरियल म्यूज़ियम ले जाया गया। प्रो. पी. के. कालड़ा एवं प्रो हुज़ूर सरन आई. आई.टी. दिल्ली ने समस्त छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया ।

● नीति आयोग द्वारा संचालित अटल इनोवेशन मिशन के तहत अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना हेतु 1500 स्कूलों का चयन किया गया। इसी प्रोग्राम के तहत प्रेम विद्यालय में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें ऐसे विद्युत उपकरण उपलब्ध कराये गये, जिससे बच्चे स्वयं खोजपरक चीजें तैयार कर सकें। कार्यक्रम का समापन मुख्य अतिथि गोपालजी ने अपने प्रेरक अनुभवों एवं प्रेरणास्पद विचार–विमर्श से देश की आवश्यकताओं के अनुकूल वैज्ञानिक बाल प्रतिभाओं को निखारने हेतु प्रभावी मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन मास्टर हार्दिक, सविता रानी द्वारा किया गया समस्त कार्यक्रम प्रधानाचार्या के संरक्षण में सफल हुआ।

● कैमलिन आर्ट कॉन्टेस्ट 2019 में प्रेम विद्यालय की कनिका सैनी कक्षा नौ वर्ग एवं अनु तिवारी कक्षा बारह को जिला स्तरीय प्रतियोगिता चरण को पार कर प्रक्षेत्रीय स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित किया गया।

एन. सी. सी.

एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर का आयोजन–'एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर' का आयोजन 1 जनवरी, 2019 से 12 जनवरी, 2019 को तेजपुर यूनिवर्सिटी, तेजपुर, असम में किया गया। शिविर में यूपी डायरेक्ट्रेट के आगरा ग्रुप से 10 कैडेट्स ने भाग लिया, जिसमें डी.ई.आई. के कैडेट रजत सिंह परिहार ने भी हिस्सा लिया। यूपी व (उत्तर–पूर्वी राज्य) विभिन्न राज्यों के कुल 1000 कैडेट्स ने भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य कैडेट्स में अनेकता में एकता की सद्भावना जगाना था। कैडेट रजत ने नेशनल इंटीग्रेशन एक्ट प्रोग्राम में प्रथम स्थान व ड्रिल प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कैडेट रजत ने अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल पूर्व ब्रिगेडियर बी.डी. मिश्रा से मुलाकात भी की।

स्वस्थ भारत यात्रा–एफएसएसएआई द्वारा एक स्वस्थ भारत यात्रा का आयोजन कराया गया। जिसका एक ही नारा 'ईट राइट इंडिया' था। जो कि पांडुचेरी से चलकर दिल्ली पर खत्म हुई। 11 जनवरी, 2019 को धौलपुर से चलकर सैंया आगरा पहुँची, यहाँ पर डी.ई.आई. के एनसीसी कैडेट्स ने रैली का स्वागत किया और धौलपुर कैडेट्स ने बेटन को डी.ई.आई. कैडेट्स के हाथों में सौंपा। 12 जनवरी, 2019 को कलेक्ट्रेट से आगरा कॉलेज ग्राउण्ड तक एक प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। 13 जनवरी, 2019 को सभी कैडेट्स सूरसदन से साइकिल चलाकर ताजमहल पहुँचे वहाँ पर भी लोगों को खान–पान के बारे में जागरूक किया। इसके बाद ताजमहल से साइकिल चलाकर एनसीसी कैडेट्स मथुरा तक गये जहाँ डिप्टी कमांडर कर्नल वी. एस. सिकरवार, 1 यूपी बटालियन की प्रशासनिक अधिकारी मेजर नीरजा आर्य, लेफ्टिनेंट मनीष कुमार व एनसीसी कैडेट्स का स्वागत किया गया। लेफ्टिनेंट मनीष कुमार को एफएसएसएआई द्वारा सम्मानित किया गया और अंत में बेटन को मथुरा एनसीसी कैडेट्स को थमाकर स्वास्थ्य रैली को आगे बढ़ाया।

अन्तर्राष्ट्रीय कैंसर दिवस–अन्तर्राष्ट्रीय कैंसर दिवस का आयोजन पुरुषोत्तम दास सावित्री देवी कैंसर केयर और रिसर्च सेंटर की टीम के साथ मिलकर 3 फरवरी, 2019 को डी.ई.आई. मुख्य द्वार से केन्द्रीय हिन्दी संस्थान तक रैली ले जाकर किया गया। रैली का शुभारम्भ प्रधानाचार्य पी.पी. मल्होत्रा द्वारा किया गया। लेफ्टिनेंट मनीष कुमार और आर.ई.आई. के मेजर लोकेन्द्र सिंह ने अपने मार्गदर्शन में रैली का नेतृत्व किया और रैली में लोगों को कैंसर के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया। केन्द्रीय हिन्दी संस्थान में डॉ. संदीप अग्रवाल के द्वारा एनसीसी कैडेट्स को कैंसर के बारे में गहन जानकारी दी गई।

51वीं राइफल स्पर्धा–51वीं राइफल शूटिंग प्रतियोगिता का आयोजन इस वर्ष भी 17 फरवरी, 2019 को दयालबाग़ में स्थित राइफल रेंज पर किया गया। जिसमें डी.ई.आई. के एनसीसी कैडेट्स द्वारा परम श्रद्धेय हुज़ूर को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद सभी एनसीसी कैडेट्स ने ग्रेशस हुज़ूर से प्रसाद व आशीर्वाद लिया।

विश्व महिला दिवस–विश्व महिला दिवस 8 मार्च, 2019 को एनसीसी कैडेट्स द्वारा मनाया गया था। इस संबन्ध में रैली का आयोजन हुआ जो नगला हवेली से चलकर राधास्वामी मन्दिर पर जाकर समाप्त हुई। एनसीसी कैडेट्स ने 'नारी शक्ति महान' का नारा देते हुए लोगों को नारी शक्ति के प्रति जागरूक किया।

सम्पादकीय मण्डल

संरक्षक : • प्रो. पी.के. कालड़ा
सम्पादक : • डॉ. नमस्या
सहायक सम्पादक : • डॉ. निशीथ गौड़
• डॉ. सूरज प्रकाश
सम्पादन सहयोग : • डॉ. कविता रायजादा
• श्री अमित जौहरी

समाचार संयोजक :
• श्री अतुल सूरी
• डॉ. रचना गुप्ता
• डॉ. बीरपाल सिंह ठेनुआ
• श्री मयंक कुमार अग्रवाल
• सुश्री प्रेम प्यारी
• डॉ. अभिमन्यु
• डॉ. राजीव रंजन
• डॉ. आरती सिंह
• श्री मनीष कुमार